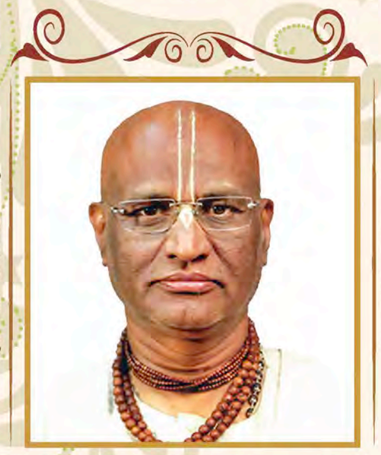

श्री मधु पंडित दास

Shri Madhu Pandit Dasa



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री मधु पंडित दास

श्री मधु पंडित दास "स्कूल भोजन कार्यक्रम" चलाने वाले विश्व के सबसे बड़े गैर–सरकारी संगठन, अक्षय पात्र फाऊंडेशन के अध्यक्ष हैं। आप हरे कृष्णा आन्दोलन की शासी निकाय आयोग के अध्यक्ष, इस्कॉन–बेंगलुरु के अध्यक्ष और वृन्दावन चन्द्रोदय मन्दिर के अध्यक्ष भी हैं।

2. आपका जन्म 11 सितम्बर,1956 को त्रिवेन्द्रम में हुआ। आपने अपनी बी–टेक सिविल इंजीनियर की डिग्री 1980 में आई आई टी–मुम्बई से पूरी की। आई आई टी–मुम्बई से अपना एम.टेक करते समय, आपने इस्कॉन आन्दोलन भक्तिवेदान्त स्वामी प्रभुपाद के संस्थापक आचार्य की शिक्षा से प्रेरित होकर 1981 में कृष्णा चेतना अन्तरराष्ट्रीय सोसायटी (इस्कॉन) को ज्वॉइन कर लिया। आप वर्ष 1984 में इस्कॉन, बंगलौर के अध्यक्ष के तौर पर हरे कृष्णा आन्दोलन संबंधी कार्यकलापों के पर्यवेक्षक बन गए। इसके पश्चात् आपने बंगलोर स्थित इस्कॉन मन्दिर और सांस्कृतिक परिसर, इस समय के वास्तुशिल्पीय और आध्यात्मिक भवन, की अभिकल्पना और उसके निर्माण में अहम भूमिका अदा की।

3. आपने शोषित बच्चों की सेवा के उद्देश्य से, वर्ष 2000 में एक अनूठे मिड–डे मील कार्यक्रम, अक्षय पात्र फाऊंडेशन की स्थापना की। प्रारम्भ में इस फाऊंडेशन ने ग्रामीण बेंगलुरु के समीप 5 सरकारी विद्यालयों में 1500 बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना शुरू किया था जो इस समय 10 राज्यों और 24 स्थानों सहित पूरे देश में प्रतिदिन 15 लाख बच्चों को मिड–डे मील उपलब्ध करा रहा है। अक्षय पात्र फाऊंडेशन की अभिनव रसोइयां और भोजन पहुँचाने का संभारतंत्र, सूक्ष्म समय प्रबन्धन के लिए हार्वर्ड बिजनैस स्कूल का आधार विषय बन गए हैं। आप अक्षय पात्र को देश का सर्वाधिक विश्वसनीय गैर–सरकारी संगठन बनाने और विश्वपत्रिका के शीर्ष 100 गैर–सरकारी संगठनों में अपना स्थान बनाने की दृष्टि से, फाऊंडेशन में पारदर्शिता और जवाबदेही के ऊँचे मानकों को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पद्धतियों और कार्यप्रणालियों को व्यवहार में लाए हैं।

4. आप भारतीय परम्परा और संस्कृति की समूचे विश्व में पहचान बनाने के मकसद से इस समय अनेकों नई परियोजनाओं और अभिनव पहलों की अगुआई कर रहे हैं। वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में श्री वृन्दावन चन्द्रोदय सांस्कृतिक और परम्परा केन्द्र और बेंगलुरु में कृष्णलीला थीम पार्क आने वाली सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं।

5. आपको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई द्वारा 2010 में विशिष्ट विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपको कर्नाटक सरकार द्वारा 2003 में राज्योत्सव पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। शासन के उच्चतम मानक स्थापित करने के मकसद से आपके द्वारा किए गए अथक प्रयासों के कारण, वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए अक्षय पात्र को भारतीय चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा लगातार 5 वर्षों तक गोल्ड शील्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके फलस्वरूप यह गैर–सरकारी संगठन प्रसिद्ध हॉल ऑव फेम में शामिल किये जाने के लिए देश का एक मात्र संगठन बन गया। इस संगठन को दक्षिण एकाउन्टेन्ट्स फेडरेशन (एसएएफए) द्वारा प्रस्तुत की गई सर्वोत्तम वार्षिक रिपोर्ट के लिए लगातार पाँच वर्षों तक पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

Shri Madhu Pandit Dasa

Shri Madhu Pandit Dasa is the Chairman of The Akshaya Patra Foundation, world's largest NGO run school meal programme. He is also the Chairman of the Governing Body Commission- Hare Krishna Movement, President of ISKCON Bangalore and Chairman of Vrindavan Chandrodaya Mandir.

2. Born on 11th September 1956 near Trivandrum, Shri Dasa completed his B. Tech in Civil Engineering from IIT-Mumbai in 1980. While doing his M. Tech in IIT-Mumbai, he was inspired by the teachings of the Founder Acharya of ISKCON movement Bhaktivedanta Swami Prabhupada and joined International Society for Krishna Consciousness (ISKCON) in 1981. He became involved in overseeing the activities of Hare Krishna Movement as the President of ISKCON, Bangalore in the year 1984. Later, he spearheaded the designing and construction of the ISKCON Bangalore temple and cultural complex, a present day architectural and spiritual edifice.

3. Shri Dasa led the establishment of The Akshaya Patra Foundation, a unique mid-day meal programme aimed to serve underprivileged children in the year 2000. It began with providing nutritious meals to 1500 children in 5 Government schools around rural Bengaluru, which has grown today to serve mid-day meals to 1.5 million children every day across the country, increasing its reach to 10 states and 24 locations. The innovative kitchens as well as the delivery logistics of The Akshaya Patra Foundation are a Harvard Business School case study for Precise Time Management. He introduced various systems and practices to ensure high degree of transparency and accountability to make Akshaya Patra one of the most trustworthy NGOs in the country and one among the Top 100 NGOs of Global Journal.

4. Shri Dasa is currently spearheading several new projects and initiatives to promote Indian heritage and culture throughout the world. The most significant being the upcoming iconic Sri Vrindavan Chandrodaya Cultural and Heritage Ccentre in Vrindavan, Mathura, UP and Krishna Lila Theme Park in Bangalore.

5. Shri Dasa has been recipient of Distinguished Alumnus Award 2010 by the Indian Institute of Technology, Bombay. He has also been honored with the Rajyotsava Award by Government of Karnataka in 2003. His tireless efforts to establish the highest standards of governance led to Akshaya Patra receiving five consecutive Gold Shield Awards by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) Award for Excellence in Financial Reporting, thereby becoming the only NGO in the country to be inducted in its prestigious Hall of Fame. It has also received South Asian Federation of Accountants (SAFA) Best Presented Annual Report Awards for five consecutive years.